173 Written Answers

महाराणा प्रताप की तलवार

4142. भी शंकर बयाल सिंहः क्या भानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कुपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को यह जानकारी है कि इस समय महाराणा प्रताप की तलवार विवाद का विषय है ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार इस तलवार की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठा रही है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) : जी, नहीं।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

गुरू गोबिन्द सिंह जी की रचनाओं का प्रकाशित किया आना

4143 भी संकर बयाल सिंहः क्या भानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कुपा करेंगें कि :

(क) क्या सरकार गुरू गोविन्द सिंह जी की हिन्दी ग्रौर फारसी भाषाग्रों में लिखित रचनाग्रों को प्रकालित करने का विचार रखती है:;

(ख) क्या गुरू जी की एक दर्जन रचनाएं सुरक्षित हैं; ग्रौर

(ग) यदि नहीं, तो सरकार ने इन पांडुलिपियों को मपने कब्जे में लेने और उनको सुंरक्षित रखने के लिए क्या कदम उठाए हैं ? मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) ऐसा कोई प्रस्ताथ भारत सरकार के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया है ।

(ख) और (ग) भारतीय राष्ट्रीय प्रभिलेखागार धार्मिक स्वरूप के दस्तावेजों, का ग्रधिग्रहण नहीं करता है। तथापि बह पाण्डुलिपियों के परिरक्षण के लिए प्राइवेट संस्थाग्रों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

Multiple set of Question Papers in Senior Secondary /Secondary Schools

4144. SHRI SYED SIBTEY RAZI: Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether Central Board of Secondary Education has introduced the scheme of multiple sets of question papers in secondary and Senior Secondary level examinations held recently;

(b) if so, whether introduction- of this scheme was purely on experimental basis;

(c) whether the standard of Question papers for groups 2 & 4 was quite tough in comparison to standard of question pa pers for group 1 & 3;

(d) whether Government propose to ask CBSE to make itnicnt evaluation of answers attempted by examinees of groups 2 & 4;

(e) whether Govt, propose to ask CBSE to lower minimum pass marks in each subject in view of (b) and (c); and

(f) if so, the details thereof and if, not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF HUMAN RE-SOURCE DEVELOPMENTRI ARJUN SINGH); (a) and (b) The Central Board of Secandary Education (CBSE) has been using multiple sets of question papers since 1984. However, on account of mass copying which had